RAS PYQ – Indian Economy [2024-2015]

2024

1. निम्नलिखित में से किस वर्ष में भारत की सकल राष्ट्रीय आय एवं शुद्ध राष्ट्रीय आय में वार्षिक वृद्धि की दर प्रचलित एवं स्थिर दोनों ही कीमतों पर ऋणात्मक रही हैं ?

(1) 2021-22 (2) 2018-19
(3) 2019-20 (4) 2020-21
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[4]**

व्याख्या:-

- भारत की सकल राष्ट्रीय आय (Gross National Income - GNI) एवं शुद्ध राष्ट्रीय आय (Net National Income - NNI) में वार्षिक वृद्धि की दर प्रचलित एवं स्थिर दोनों ही कीमतों पर ऋणात्मक 2020-21 में रही है।
- **कारण:** यह वह वर्ष था जब COVID-19 महामारी के कारण देशव्यापी लॉकडाउन और आर्थिक गतिविधियाँ बुरी तरह प्रभावित हुई थीं।
- **आँकड़े:** इस दौरान GNI और NNI की वृद्धि दरें प्रचलित (Current) और स्थिर (Constant) दोनों ही कीमतों पर ऋणात्मक रहीं, जो स्वतंत्रता के बाद भारत के आर्थिक इतिहास में सबसे बड़ी गिरावटों में से एक थी।

2. जी.एस.टी. के "इनपुट कर जमा तंत्र" के लाभ के सम्बन्ध में निम्न में से कौन-सा कथन सही है?

(1) यहाँ उत्पादकों को रिकॉर्ड रखने की जरूरत नहीं होती है।
(2) यह दोहरे करारोपण को रोकता है।
(3) यह उत्पादन पर कर से बचाता है।
(4) यह स्टार्ट-अप को कर से राहत प्रदान करता है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[2]**

व्याख्या:-

- **इनपुट कर जमा तंत्र (ITC)** वह तंत्र है जिसके तहत् कोई व्यवसाय माल या सेवाओं की खरीद पर चुकाए गए GST (इनपुट टैक्स) को, बेचे गए माल या सेवाओं पर ग्राहक से एकत्र किए गए GST (आउटपुट टैक्स) के विरुद्ध समायोजित कर सकता है।
- **दोहरे कराधान की समाप्ति :** ITC यह सुनिश्चित करता है कि कर केवल मूल्यवर्धन (Value Addition) पर ही लगे। यह एक ही वस्तु पर कर पर कर (tax on tax) या कैस्केडिंग प्रभाव को समाप्त करता है। उदाहरण के लिए, यदि कोई निर्माता कच्चे माल पर ₹10 GST देता है और तैयार माल बेचते समय ₹18 GST जमा करता है, तो उसे केवल ₹8 (₹18 - ₹10) का भुगतान सरकार को करना होगा। इस तरह, ITC दोहरे करारोपण को रोकता है।
- ITC का दावा करने के लिए उत्पादकों को खरीद और बिक्री के बिलों का विस्तृत रिकॉर्ड रखना आवश्यक होता है।
- ITC उत्पादन पर लगे कर को समाप्त नहीं करता है, बल्कि उसे अंतिम उपभोक्ता को हस्तांतरित करने से पहले समायोजित करता है।
- GST के तहत् ITC सभी पंजीकृत व्यवसायों के लिए उपलब्ध है; यह स्टार्ट-अप को कोई विशेष कर राहत प्रदान नहीं करता है। स्टार्ट-अप के लिए राहत GST पंजीकरण की सीमा या अन्य विशिष्ट योजनाओं पर आधारित होती है।

3. भारत में मुद्रास्फीति के सन्दर्भ में निम्न में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं ?

A. कोर मुद्रास्फीति में खाद्य और ऊर्जा की कीमतें शामिल रहती हैं।
B. हैडलाइन मुद्रास्फीति से खाद्य स्फीति बाहर रहती है।
C. कोर मुद्रास्फीति की अपेक्षा हैडलाइन मुद्रास्फीति की प्रकृति ज्यादा परिवर्तनशील होती है।

नीचे दिये गये कूटों का प्रयोग करके सही उत्तर का चुनाव कीजिये:

(1) केवल C (2) केवल A और B
(3) केवल A और C (4) केवल B और C
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[1]**

व्याख्या:-

- कोर मुद्रास्फीति को अक्सर हेडलाइन मुद्रास्फीति से खाद्य और ईंधन/ऊर्जा की कीमतों को हटाकर मापा जाता है। ये वस्तुएँ अत्यधिक अस्थिर होती हैं।
- हैडलाइन मुद्रास्फीति उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) पर आधारित होती है और इसमें खाद्य और ऊर्जा सहित सभी वस्तुओं और सेवाओं की कीमतें शामिल होती हैं।
- कोर मुद्रास्फीति की अपेक्षा हैडलाइन मुद्रास्फीति अधिक परिवर्तनशील होती है, क्योंकि खाद्य और ऊर्जा की कीमतें अधिक अस्थिर होती हैं। हेडलाइन मुद्रास्फीति में खाद्य और ऊर्जा के दाम शामिल होते हैं, जो मौसम, वैश्विक आपूर्ति या भू-राजनीतिक घटनाओं के कारण अचानक और तेजी से बदलते हैं। इसलिए, इसकी प्रकृति कोर मुद्रास्फीति की तुलना में ज्यादा परिवर्तनशील होती है।

4. सूची- I में कृषि फसलें तथा सूची-II में 2021-22 में इन फसलों के उत्पादन में प्रथम स्थान पर रहे राज्यों के नाम हैं। संकेतांकों का प्रयोग करते हुए उन्हें सुमेलित कीजिए

सूची-I		सूची-II	
A.	पोषक अनाज	I.	राजस्थान
B.	कुल दलहन	II.	कर्नाटक
C.	मूँगफली	III.	मध्यप्रदेश
D.	सोयाबीन	IV.	महाराष्ट्र
		V.	गुजरात

कूट:

(1) A-IV B-V C-II D-III (2) A-I B-III C-II D-IV
(3) A-III B-I C-IV D-II (4) A-II B-III C-V D-IV
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[4]**

व्याख्या:-

- यह सुमेलन वर्ष 2021-22 के कृषि उत्पादन के आंकड़ों पर आधारित है:
  - ↳ पोषक अनाज - कर्नाटक
  - ↳ कुल दलहन - मध्यप्रदेश
  - ↳ मूँगफली - गुजरात
  - ↳ सोयाबीन - महाराष्ट्र
- आर्थिक समीक्षा 2025-26 के अनुसार फसलों के उत्पादन में प्रथम स्थान पर
  - ↳ राई व सरसों – राजस्थान
  - ↳ बाजरा – राजस्थान

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

↳ कुल तिलहन – राजस्थान ↳ मोटा अनाज – राजस्थान
↳ ग्वार – राजस्थान ↳ मूँगफली – गुजरात
↳ चना – मध्य प्रदेश ↳ कुल दलहन – मध्य प्रदेश
↳ सोयाबीन – मध्य प्रदेश

5. भारत में 'राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम' (NFSA) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये :

A. यह 5 जुलाई, 2013 को अधिनियमित किया गया।
B. वर्तमान में लगभग 50 करोड़ व्यक्ति राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अन्तर्गत आते हैं।
C. यह अधिनियम कानूनी रूप से 75% ग्रामीण आबादी और 50% शहरी आबादी को सब्सिडी युक्त खाद्यान्न प्राप्त करने का अधिकार देता है।

संकेतांकों का प्रयोग करते हुए सही उत्तर दीजिये :

(1) A, B एवं C सही हैं। (2) B एवं C दोनों सही हैं।
(3) A एवं B दोनों सही हैं। (4) A एवं C दोनों सही हैं।
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[4]**

व्याख्या:-

- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA) को 5 जुलाई, 2013 को अधिसूचित (अधिनियमित) किया गया था।
- NFSA के अंतर्गत शामिल व्यक्तियों की संख्या लगभग 81.35 करोड़ (देश की लक्षित आबादी) है, न कि 50 करोड़।
- इस अधिनियम के तहत, देश की ग्रामीण आबादी के 75% और शहरी आबादी के 50% को लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (TPDS) के तहत् रियायती दरों पर खाद्यान्न प्राप्त करने का कानूनी अधिकार दिया गया है।

6. कार्मिकों के जनसंख्या से अनुपात को परिभाषित किया जाता है–

(1) कुल जनसंख्या में कार्यशील आयु की जनसंख्या का प्रतिशत
(2) श्रम शक्ति में नियोजित व्यक्तियों का प्रतिशत
(3) कार्यशील आयु की जनसंख्या में नियोजित व्यक्तियों का प्रतिशत
(4) कुल जनसंख्या में नियोजित व्यक्तियों का प्रतिशत
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[4]**

व्याख्या:-

- कार्मिक जनसंख्या अनुपात (Worker Population Ratio - WPR) एक महत्त्वपूर्ण आर्थिक संकेतक है। इसे देश की कुल जनसंख्या में नियोजित व्यक्तियों (Workers) के प्रतिशत के रूप में परिभाषित किया जाता है। यह अनुपात किसी अर्थव्यवस्था में रोजगार सृजन की स्थिति और लोगों के लिए उपलब्ध आजीविका के अवसरों को मापने में सहायता करता है। यह दर्शाता है कि कुल आबादी का कितना हिस्सा उत्पादक गतिविधियों में सक्रिय रूप से लगा हुआ है।

7. भारत में 1991 के बाद शुरू हुए वित्तीय क्षेत्र के सुधारों से निम्न में से कौन-सा सम्बन्धित नहीं है?

(1) सरफेसी अधिनियम
(2) पूँजी पर्याप्तता
(3) गैर-आस्तिकारी परिसम्पत्तियाँ
(4) एफआरबीएम अधिनियम (फिस्कल रिस्पांसिबिलिटी एंड बजट मैनेजमेंट)
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[4]**

व्याख्या:-

- एफ.आर.बी.एम. अधिनियम (राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन अधिनियम), 2003 का मुख्य उद्देश्य राजकोषीय (Fiscal) अनुशासन स्थापित करना, सरकार के राजस्व घाटे (Revenue Deficit) और राजकोषीय घाटे (Fiscal Deficit) को कम करना तथा समग्र राजकोषीय प्रबंधन को मजबूत करना था।
- यह अधिनियम सरकार के खर्च और घाटे (अर्थात राजकोषीय नीति) से संबंधित है, न कि सीधे वित्तीय क्षेत्र (बैंकों, वित्तीय संस्थाओं और पूँजी बाजार) के सुधारों से।
- इसलिए, जहाँ सरफेसी अधिनियम, पूँजी पर्याप्तता और गैर-आस्तिकारी परिसम्पत्तियाँ 1991 के वित्तीय सुधारों की प्रक्रिया के प्रत्यक्ष परिणाम/घटक हैं, वहीं FRBM अधिनियम राजकोषीय सुधारों का हिस्सा है।

2023

8. निम्न लिखित में से कौन-सा समीकरण सकल राजकोषीय घाटे के सूत्र को दर्शाता है?

(1) सकल राजकोषीय घाटा = प्राथमिक घटा + विदेशों से प्राप्त शुद्ध उधार।
(2) सकल राजकोषीय घाटा = कुल व्यय – राजस्व प्राप्तियाँ।
(3) सकल राजकोषीय घाटा = राजस्व घाटा + पूँजी व्यय।
(4) सकल राजकोषीय घाटा = शुद्ध घरेलू उधार + आर. बी. आई. से उधार + विदेशी उधार।
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[4]**

व्याख्या:-

- सकल राजकोषीय घाटा राजस्व प्राप्तियों (बाह्य अनुदान सहित) और गैर-ऋण पूँजी प्राप्तियों पर वसूली के शुद्ध ऋण सहित कुल व्यय का आधिक्य है।
- कुल राजकोषीय घाटा = शुद्ध घरेलू उधार + आर. बी. आई. से उधार + विदेशी उधार।
- शुद्ध राजकोषीय घाटा = सकल राजकोषीय घाटा - केंद्र सरकार के शुद्ध उधार है।

9. निम्नांकित में से कौन-सी वस्तु लोक वस्तु (पब्लिक गुड्स) नहीं है?

(1) सरकारी प्रशासन (2) राष्ट्रीय सुरक्षा
(3) कारें (4) सड़कें
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[3]**

व्याख्या:-

- सार्वजनिक वस्तु वह वस्तु या सेवा है जिसका उपयोग समाज का हर सदस्य बिना किसी अन्य के लिए इसकी उपलब्धता को कम किए कर सकता है। आम तौर पर, सार्वजनिक वस्तु सरकार द्वारा प्रदान की जाती है और करों के माध्यम से वित्तपोषित की जाती है। सार्वजनिक वस्तु के उदाहरणों में शहर की सड़क, पार्क या स्कूल शामिल हैं।
- कारें प्राइवेट वस्तु हैं यह पब्लिक गुड्स नहीं हैं।

10. मुद्रास्फीति के संदर्भ में निम्न कथन पर ध्यान दीजिये-
कथन 1 : हैडलाइन मुद्रास्फीति उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में परिवर्तन की दर को संदर्भित करती है जो एक विशिष्ट

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

परिवार द्वारा उपभोग की जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं की एक मानक टोकरी की औसत कीमत का माप है।
कथन 2 : कोर मुद्रास्फीति उपभोक्ता मूल्य सूचकांक से अस्थिर मूल्य वाली कुछ वस्तुओं जैसे खाद्य और ईंधन को बाहर करने के बाद औसत उपभोक्ता कीमतों में बदलाव को मापती है।
इन कथनों में से–
(1) कथन (1) और (2) दोनों ही सही नहीं है।
(2) कथन (1) और (2) दोनों सही हैं।
(3) केवल कथन (2) सही है।
(4) केवल कथन (1) सही है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[2]**

व्याख्या:-
- हैडलाइन मुद्रास्फीति, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सी.पी.आई) के आधार पर तैयार किया जाता है। यह मुद्रास्फीति का कच्चा आँकड़ा होता है। इसमें खाद्य एवं ईंधन की कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव को भी शामिल किया जाता है।
- कोर मुद्रास्फीति में खाद्य एवं ईंधन की कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव को शामिल नहीं किया जाता है।

11. इंदिरा गाँधी शहरी रोजगार गारंटी योजना के संबंध में निम्नांकित कथनों पर विचार कीजिये :
(i) यह शहरी इलाकों में निवास करने वाले परिवारों को 125 दिवस प्रति वर्ष रोजगार की गारंटी देता है।
(ii) पंजीकरण के बाद, पात्र अभ्यर्थी को 30 दिवसों में रोजगार उपलब्ध करवाया जाता है।
(1) न तो (i) न ही (ii) सही है।
(2) (i) व (ii) दोनों सही हैं।
(3) केवल (ii) सही है।
(4) केवल (i) सही है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[4]**

व्याख्या:-
- इंदिरा गाँधी शहरी रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत राजस्थान सरकार द्वारा 125 दिन प्रतिवर्ष का रोजगार दिया जाता है। इसके तहत् पंजीकरण के उपरांत पात्र अभ्यर्थी को 15 दिवसों में रोजगार उपलब्ध करवाया जाता है।

मुख्यमंत्री शहरी रोजगार गारंटी योजना
- विभाग – स्थानीय निकाय विभाग
- वित्त पोषित – राज्य सरकार द्वारा
- योजना प्रारम्भ – 09 सितम्बर, 2022
- पूर्व में नाम - इंदिरा गाँधी शहरी रोजगार गारंटी योजना
- इस योजना का उद्देश्य शहरी क्षेत्र में निवास कर रहे परिवार को एक वर्ष में 100 दिवस का गारंटीशुदा रोजगार उपलब्ध करवाकर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना है।
- राज्य बजट 2023-24 में इस योजना के अंतर्गत प्रति परिवार एक वर्ष में 100 दिवस को बढ़ाकर 125 दिवस रोजगार देने की घोषणा की गई।

12. निम्न में से कौन-सा उपाय चयनात्मक साख नियंत्रण के संबंध में सही विकल्प नहीं है?
(1) उधार सीमा (मार्जिन) में परिवर्तन
(2) सरकारी प्रतिभूतियों को बेचना
(3) साख राशनिंग
(4) नैतिक दबाव
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[2]**

व्याख्या:-
- सरकारी प्रतिभूतियों को बेचना चयनात्मक साख नियंत्रण का सही तरीका नहीं है।
- चयनात्मक साख नियन्त्रण के अन्तर्गत केन्द्रीय बैंक उन क्षेत्रों में उदार साख नीति अपनाता है, जहाँ साख विस्तार करने की आवश्यकता है तथा जहाँ साख का संकुचन करने की आवश्यकता होती है।

13. औषधि क्षेत्र के संबंध में निम्न में से कौन-सा कथन सही नहीं है?
(1) भारत वैक्सीन निर्माण में वैश्विक उत्पादन में 80 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है।
(2) भारत वैश्विक स्तर पर जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा प्रदाता है।
(3) औषधीय उत्पादों के उत्पादन में मूल्य के हिसाब से भारत दुनिया में 14वें स्थान पर है।
(4) औषधीय उत्पादों के उत्पादन में मात्रा के आधार पर भारत दुनिया में तीसरे स्थान पर है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[1]**

व्याख्या:-
- भारत वैक्सीन निर्माण में वैश्विक उत्पादन में केवल 60 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखता है न कि 80 प्रतिशत ।
- भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा दवा उत्पादक है।
- भारत वैश्विक स्तर पर जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा प्रदाता है। इसलिए भारत को 'वैश्विक दवाखाना' (Pharmacy to the world) के रूप में जाना जाता है।

14. वैश्विक खुशहाली सूचकांक-2023 में भारत किस क्रम पर है?
(1) 115 (2) 118
(3) 126 (4) 136
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[3]**

व्याख्या:-
- संयुक्त राष्ट्र सतत विकास समाधान नेटवर्क द्वारा प्रतिवर्ष वैश्विक खुशहाली सूचकांक जारी किया जाता है। यह खुशी और कल्याण में योगदान देने वाले विभिन्न कारकों के आधार पर विभिन्न देशों की रेंकिंग करता है।
- 2023 के वैश्विक खुशहाली सूचकांक में भारत की रैंक 126 रही।
- वैश्विक खुशहाली सूचकांक 2026 (World Happiness Report 2026) में कुल 147 देशों की सूची में भारत को 116वां स्थान प्राप्त हुआ है।
- यह वार्षिक रिपोर्ट 20 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय प्रसन्नता दिवस के अवसर पर ऑक्सफोर्ड वेलबीइंग रिसर्च सेंटर, गैलप और यूएन सस्टेनेबल डेवलपमेंट सॉल्यूशंस नेटवर्क (UN SDSN) द्वारा संयुक्त रूप से जारी की गई, जिसका मुख्य विषय "खुशी और सोशल मीडिया" रखा गया है।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

15. ऑटोमोबाइल क्षेत्र के बारे में निम्न में से कौन-सा कथन सही नहीं है?

(1) वर्ष 2021 के अंत में इस क्षेत्र ने 5.3 करोड़ का प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजन किया।

(2) यह क्षेत्र भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 7.1 प्रतिशत योगदान देता है।

(3) वर्ष 2021 में भारत यात्री कारों का दुनिया का चौथा सबसे बड़ा निर्माता था।

(4) वर्ष 2021 में भारत दोपहिया और तिपहिया वाहनों का दुनिया में सबसे बड़ा निर्माता था।

(5) अनुत्तरित प्रश्न **[1]**

व्याख्या:-

- वर्ष 2021 के अंत में ऑटोमोबाइल क्षेत्र ने 1.9 करोड़ का प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजन किया था।

16. निम्नांकित में से कौन राजकोषीय नीति का उपकरण नहीं है?

(1) सार्वजनिक व्यय (2) ब्याज दर
(3) हीनार्थ प्रबंधन (4) करारोपण
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[2]**

व्याख्या:-

- राजकोषीय नीति सरकार के राजस्व संग्रह मुख्य रूप से करों पर भी गैर-कर राजस्व जैसे विभाजन, ऋण और व्यय का उपयोग अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने के लिए होता है।
- ब्याज दर किसी देश की राजकोषीय नीति का हिस्सा नहीं होती है।

17. वर्ष 2022-23 के अग्रिम अनुमानों के अनुसार, सांकेतिक अथवा प्रचलित मूल्यों पर भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कितना प्रतिशत भाग राजस्थान के सकल राज्य घरेलू उत्पाद के होने का अनुमान है?

(1) 6.54 प्रतिशत (2) 5.18 प्रतिशत
(3) 4.86 प्रतिशत (4) 3.78 प्रतिशत
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[2]**

व्याख्या:-

- वर्ष 2022-23 के अग्रिम अनुमानों के अनुसार, सांकेतिक अथवा प्रचलित मूल्यों पर भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 5.18 प्रतिशत भाग राजस्थान के सकल राज्य घरेलू उत्पाद के होने का अनुमान है।
- भारत की GDP में योगदान के संदर्भ में राजस्थान 7वें स्थान पर है।

2021

18. औद्योगिक उत्पादन निर्देशांक, जो कि भारतीय अर्थव्यवस्था में औद्योगिक क्रियाओं का मापक है, इसमें क्या सम्मिलित नहीं किया जाता है?

(1) गैस एवं जलापूर्ति (2) विद्युत
(3) विनिर्माण (4) खनन **[1]**

व्याख्या:-

- आईआईपी एक समग्र संकेतक है, जो प्रमुख क्षेत्र (Core Sectors) एवं उपयोग आधारित क्षेत्र के आधार पर आँकड़े उपलब्ध कराता है।
- **इसमें शामिल आठ (8) प्रमुख क्षेत्र निम्नलिखित हैं–**

I. रिफाइनरी उत्पाद II. विद्युत
III. इस्पात IV. कोयला
V. कच्चा तेल VI. प्राकृतिक गैस
VII. सीमेंट VIII. उर्वरक

जबकि इसमें गैस एवं जलापूर्ति शामिल नहीं है।

19. बाजार मूल्यों पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद है–

(1) बाजार मूल्यों पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद – विदेश से शुद्ध आय

(2) बाजार मूल्यों पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद – हस्तान्तरण भुगतान

(3) बाजार मूल्यों पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद - मूल्यह्रास

(4) बाजार मूल्यों पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद – अनुदान **[3]**

व्याख्या:-

- बाजार मूल्यों पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद = बाजार मूल्यों पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद-मूल्यह्रास
- यदि हम सकल राष्ट्रीय उत्पाद में मूल्यह्रास शुल्क घटाते है, तो हमें बाजार मूल्य पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद प्राप्त होता है।
- बाजार मूल्य पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद किसी एक देश के एक वर्ष में वर्तमान मूल्य पर उत्पादित अंतिम वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन का बाजार मूल्य है।

20. निम्न में से कौन-से बजट में भारत में रेल बजट को केन्द्रीय बजट में मिला दिया गया?

(1) बजट, 2019-20 (2) बजट, 2018-19
(3) बजट, 2016-17 (4) बजट, 2017-18 **[4]**

व्याख्या:-

- केन्द्रीय बजट 2017-18 में भारत में रेल बजट को केन्द्रीय बजट में मिला दिया गया।
- 92 वर्षों बाद रेल बजट को आम बजट में शामिल किया गया।
- सर्वप्रथम एक्वर्थ कमिटी के अनुशंसा पर, रेल बजट को आम बजट से अलग किया गया था।

21. राष्ट्रीय आय लेखांकन में 'आधार वर्ष का अर्थ हैं-

(1) जिस वर्ष की आय का उपयोग मौद्रिक जी. डी. पी. की गणना के लिए किया जाता है।

(2) जिस वर्ष की कीमतों का उपयोग मौद्रिक जी. डी. पी. की गणना के लिए किया जाता है।

(3) जिस वर्ष की कीमतों का उपयोग वास्तविक जी. डी. पी. की गणना के लिए किया जाता है।

(4) जिस वर्ष की आय का उपयोग वास्तविक जी. डी. पी. की गणना के लिए किया जाता है। **[3]**

व्याख्या:-

- राष्ट्रीय आय लेखांकन में आधार वर्ष का अर्थ है कि जिस वर्ष की कीमतों का उपयोग वास्तविक जी.डी.पी की गणना के लिए किया जाता है।
- सामान्यत: आधार वर्ष की कीमतें स्थिर मानी जाती है।
- आधार वर्ष एक प्रतिनिधि वर्ष होता है। यह एक प्रकार का बेंचमार्क होता है, जिसके संदर्भ में सकल घरेलू उत्पाद, सकल

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

घरेलू बचत तथा सकल पूँजी निर्माण जैसे – राष्ट्रीय आँकड़ों की गणना की जाती है।

22. लघु और सीमान्त किसानों को पेंशन के उद्देश्य से "प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना कब प्रारम्भ की गई?

(1) 15 अगस्त, 2020 (2) 12 सितम्बर, 2019
(3) 26 जनवरी, 2020 (4) 25 अगस्त, 2019 **[2]**

व्याख्या:-

- लघु और सीमान्त किसानों को पेंशन के उद्देश्य से प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना 12 सितम्बर, 2019 को झारखण्ड के राँची में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लॉन्च की गई। इस योजना में लघु एवं सीमान्त किसानों को 3,000 रुपये पेंशन देने का प्रावधान है।

23. 1 अप्रैल, 2020 को भारत सरकार द्वारा शुरू की गई अटल भू-जल स्कीम में सहायता उपलब्ध करवाने वाली संस्था है-

(1) विश्व बैंक
(2) पुनर्निमाण व विकास हेतु यूरोपीय बैंक
(3) अन्तः अमेरिकी विकास बैंक
(4) एशियाई विकास बैंक **[1]**

व्याख्या:-

- अटल भू-जल योजना, एक केन्द्र प्रायोजित योजना है जिसमें सामुदायिक भागीदारी, माँग पक्ष के हस्तक्षेप तथा सतत भू जल प्रबंधन के लिए चल रही योजनाओं के अभिशरण पर ध्यान केन्द्रित किया जा रहा है।
- 1 अप्रैल 2020 से सात राज्यों – गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश एवं राजस्थान में लागू किया गया।
- इस योजना के कुल परिव्यय में 50% विश्व बैंक ऋण के रूप में जिसका भुगतान केन्द्र सरकार करेगी तथा 50% नियमित बजटीय सहायता से केन्द्रीय सहायता के रूप मे उपलब्ध है।
- राज्यों को विश्व बैक का संपूर्ण ऋण और केन्द्रीय सहायता अनुदान के रूप में उपलब्ध होगी।

24. निम्नलिखित में से कौन आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के क्रियान्वयन हेतु उत्तरदायी है?

(1) राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण
(2) विश्व स्वास्थ्य संगठन
(3) नीति आयोग
(4) भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण **[1]**

व्याख्या:-

- राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण, भारत की प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य बीमा/आश्वासन योजना 'आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' को देश भर में लागू करने के लिए सर्वोच्च निकाय है।
- प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, 23 सितंबर, 2018 को भारत के मानवीय प्रधानमंत्री के द्वारा राँची (झारखंड) में शुरू की गई।

25. महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु इंदिरा महिला शक्ति निधि की शुरुआत हुई थी –

(1) 18 दिसम्बर, 2019 (2) 18 दिसम्बर, 2018
(3) 18 दिसम्बर, 2016 (4) 18 दिसम्बर, 2017 **[1]**

व्याख्या:-

- राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा 18 दिसम्बर, 2019 को इंदिरा महिला शक्ति निधि की शुरुआत की गई थी।

2018

26. किसे जी.एस.टी. (वस्तु एवं सेवा कर) के दायरे के अन्दर रखा गया है?

(1) मानवीय उपभोग के लिए शराब
(2) विद्युत
(3) पेट्रोलियम उत्पाद
(4) घी **[4]**

व्याख्या:-

- भारत में 1 जुलाई, 2017 से वन नेशन-वन टैक्स के सिद्धांत के तहत् गुड्स एवं सर्विसेज टैक्स (वस्तु एवं सेवा कर) लागू कर अप्रत्यक्ष करों में क्रांतिकारी परिवर्तन किया।
- इसमें पूरे देश के लिए एक अप्रत्यक्ष कर प्रणाली लागू कर दी।
- जीएसटी के तहत् 12011 वस्तुओं को 5%, 12%, 18%, 28% की स्लैब में रखा है। सिगरेट, शराब, पेट्रोलियम, दूध, सब्जियों सहित 80 वस्तुओं को जीएसटी के दायरे से बाहर रखा गया है

27. निम्न में से किसने भारत में वर्ष 2016-2021 के लिए +/-2 प्रतिशत के सहनीय स्तर के साथ चार प्रतिशत का मुद्रा-स्फीति का लक्ष्य निश्चित किया है?

(1) भारतीय रिज़र्व बैंक (3) नीति आयोग
(2) भारत सरकार (4) चौदहवाँ वित्त आयोग **[2]**

व्याख्या:-

- केन्द्र सरकार ने वर्ष 2016- 2021 में आरबीआई के तात्कालीन गवर्नर रघुराम राजन की सिफारिश के आधार पर वृहद आर्थिक स्थिरता हेतु मुद्रास्फीति को 4% रखने का लक्ष्य किया जिसकी ऊपरी सीमा 6% तथा निचली सीमा 2% के रूप में रखी गयी है। इसी सुधार में आगे चलकर केन्द्र सरकार द्वारा मौद्रिक नीति समिति की स्थापना की गयी।

28. कंपनियाँ प्रौद्योगिकी की मदद से कारोबारी प्रक्रिया की पुनर्रचना क्यों करती हैं?

(1) उपभोक्ताओं की माँग एवं अपेक्षाएँ निरन्तर बढ़ रही हैं।
(2) कम लागत पर उत्पादों और सेवाओं में प्रतिस्पर्धी बढ़त प्राप्त करने हेतु सूचना प्रौद्योगिकी का लाभ उठाया जा रहा है।
(3) अर्थव्यवस्थाओं के विश्वव्यापी उदारीकरण के साथ परिवर्तन की दर तीव्र हो गयी है।
(4) उपर्युक्त सभी **[4]**

व्याख्या:-

- कंपनियाँ प्रौद्योगिकी की मदद से कारोबारी प्रक्रिया की पुनर्रचना करती हैं क्योंकि-

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

(1) उपभोक्ता की माँग और अपेक्षाएँ निरंतर बढ़ती हैं तथा परिवर्तित होती रहती हैं।
(2) अर्थव्यवस्थाओं के विश्वव्यापी उदारीकरण के साथ परिवर्तन की दर तीव्र हो गयी है।
(3) कम लागत पर उत्पादों और सेवाओं में प्रतिस्पर्द्धी बढ़त प्राप्त करने हेतु सूचना प्रौद्योगिकी का लाभ उठाया जा रहा है।

29. भारत में संगठित मुद्रा बाजार का अत्यधिक अस्थिर भाग है–
(1) सरकारी प्रतिभूति बाजार
(2) व्यापारिक बिल बाजार
(3) याचना मुद्रा बाजार
(4) जमा प्रमाणपत्र बाजार **[3]**

व्याख्या:-
- बैंक और पीडीएस अपनी निधियों की स्थिति के असंतुलन को दूर करने के लिए रात भर के लिए या 24 घण्टे की अल्प अवधि के लिए उधार लेते हैं और देते हैं, इस 1 दिन के लिए निधियाँ का उधार लेना या देना को **याचना मुद्रा बाजार (Call Money Market)** कहा जाता है। यह दर आरबीआई द्वारा निर्धारित की जाती है।
- यह भारत में संगठित मुद्रा बाजार का अत्यधिक अस्थिर भाग है।
- यह उधार लेना और देना गैर-प्रतिभूत अर्थात् बिना गारंटी या गिरवी के आधार पर होता है।

30. निम्नलिखित में से कौन-सा केन्द्रीय बजट के राजस्व खाते में सम्मिलित नहीं किया जाता है?
(1) ब्याज प्राप्तियाँ
(2) कर प्राप्तियाँ
(3) सरकारी विभागों व सार्वजनिक उपक्रमों से प्राप्त लाभ तथा लाभांश
(4) अल्प बचतें **[4]**

व्याख्या:-
- ब्याज प्राप्तियाँ, कर प्राप्तियाँ, सरकारी विभागों या उपक्रमों से प्राप्त लाभ या लाभांश केन्द्रीय बजट के राजस्व खातें में सम्मिलित है।
- केन्द्रीय बजट के पूँजीगत खाते में सरकार द्वारा बाजार से प्राप्त ऋण, सरकारी उपक्रमों या परिसंपत्तियों के विनिवेश से प्राप्त धन, आरबीआई से ली गयी उधारी, आदि को सम्मिलित किया जाता है।

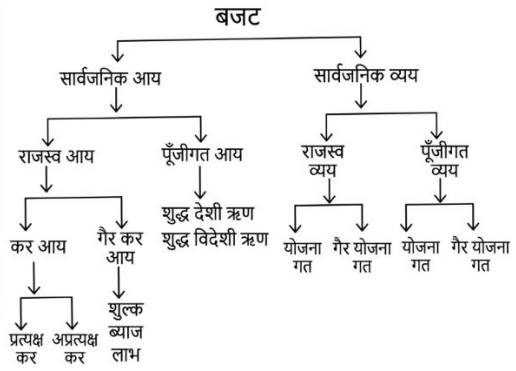

31. ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना में किस पर जोर दिया गया था?
(1) सामाजिक न्याय के साथ आर्थिक संवृद्धि
(2) आर्थिक संवृद्धि एवं मानवीय विकास
(3) अधिक तीव्र एवं ज्यादा समावेशीय संवृद्धि
(4) तीव्रतर, धारणीय तथा और अधिक समावेशीय संवृद्धि

[3]

व्याख्या:-
- पंचवर्षीय योजनाएँ एवं उनके प्राथमिक लक्ष्य आधारित क्षेत्र-

ग्यारहवीं योजना (2007-2012)
- उद्देश्य- अधिक तीव्र और ज्यादा समावेशी वृद्धि। लक्ष्य जीडीपी वृद्धि- 8% (3.5% कृषि, 8% उद्योग, 8.9% सेवा) प्राप्ति- 8.5% (भारतीय योजनाकाल की सर्वाधिक ग्रोथ)

बारहवीं योजना (2012-2017)
- उद्देश्य– अधिक तीव्रगामी, समावेशी और सतत विकास। स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण विकास पर अत्यधिक बल।

32. अभिकथन A : समग्र पूर्ति वक्र में विवर्तन के कारण लागत प्रेरित स्फीति होती है।
कारण R : मजदूरी में वृद्धि के कारण समग्र पूर्ति वक्र में विवर्तन होता है।
(1) A और R दोनों सही हैं, और A का सही स्पष्टीकरण R है।
(2) A और R दोनों सही हैं, लेकिन A का सही स्पष्टीकरण R नहीं है।
(3) A सही है, लेकिन R गलत है।
(4) A गलत है, लेकिन R सही है। **[1]**

व्याख्या:-
- मजदूरी में वृद्धि के कारण समग्र पूर्ति वक्र में विवर्तन होता है, जिसके कारण लागत प्रेरित मुद्रास्फीति में वृद्धि होती है। इसके अतिरिक्त लागत प्रेरित मुद्रास्फीति परिवहन, ब्याज दर, कच्चे माल के मूल्य द्वारा भी प्रभावित होती है।

2016

33. उपभोक्ता कीमत सूचकांक पर आधारित मुद्रा स्फीति की दर बढ़ती है, यदि
(1) बैंक दर कम कर दी जाती है।
(2) रिवर्स रेपो दर कम कर दी जाती है।
(3) वैधानिक तरलता अनुपात बढ़ा दिया जाता है।
(4) रेपो रेट बढ़ा दी जाती है। **[1]**

व्याख्या:-
- जब उपभोक्ता खर्च में वृद्धि अपेक्षित हो तो केन्द्रीय बैंक, वाणिज्यिक बैंकों को उपलब्ध कराये जाने वाले ऋण पर ब्याज दर कम कर सकता है। यदि उसका उद्देश्य मुद्रा स्फीति कम करना हो तो खर्च कम करने के लिए ब्याज दरें बढ़ायी जाती हैं।

34. मानव विकास प्रतिवेदन-2015 के अनुसरण में निम्न कथनों पर विचार कीजिए:
(A) भारत का स्थान 188 देशों में 130वाँ है।
(B) मानव विकास सूचकांक जीवन प्रत्याशा, शिक्षा और प्रतिव्यक्ति आय पर आधारित है।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

(C) ब्रिक्स के अन्य देशों के मुकाबले भारत निम्नतम स्थान पर है।

उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

(1) A और B केवल (2) B और C केवल
(2) केवल B (4) A, B और C तीनों **[4]**

व्याख्या:-

- मानव विकास सूचकांक जीवन प्रत्याशा, शिक्षा और प्रति व्यक्ति आय पर आधारित है।
- मानव विकास प्रतिवेदन 2023 के अनुसार भारत का 191 देशों में 132वाँ स्थान है। ब्रिक्स के अन्य देशों के मुकाबले भारत निम्नतम स्थान पर है।

35. भारत में बेरोजगारी और गरीबी के अनुमान आधारित हैं-

(1) NSSO के परिवारों के उपभोग व्यय के सर्वे पर।
(2) CSO के परिवारों के उपभोग व्यय के सर्वे पर।
(3) योजना आयोग के परिवारों के उपभोग व्यय के सर्वे पर।
(4) NSSO के परिवारों के आय के सर्वे पर। **[1]**

व्याख्या:-

- राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन (एनएसएसओ) (NSSO) की स्थापना वर्ष 1950 में की गई थी। यह भारत का सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण NSSO के परिवारों के उपभोग व्यय के सर्वे पर आधारित है।
- यह संगठन भारत सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।

IIP की गणना - CSO (आधारवर्ष) - 2012 = 100
CPI की गणना = केन्द्रीय सांख्यिकी विभाग द्वारा
WPI की गणना = वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा

36. भारत की केन्द्र सरकार के कर राजस्व के निम्न महत्त्वपूर्ण स्रोतों पर ध्यान दीजिये:

I. संघीय उत्पादन शुल्क II. निगम कर
III. आय कर IV. सेवा कर

सकल कर राजस्व के संदर्भ में घटते हुए क्रम में निम्न में से कौन सा एक सही है?

(a) I, II, IV, III (2) II, IV, I, III
(3) II, III, I, IV (4) IV, I, II, III **[3]**

व्याख्या:-

भारत को सर्वाधिक कर राजस्व–

- निगम कर
- आयकर
- संघीय उत्पादन शुल्क
- सेवा कर

37. वर्ष 1997-98 के बाद से न्यूनतम समर्थन मूल्य के सन्दर्भ में कौन-सा कथन सत्य है?

(1) न्यूनतम समर्थन मूल्य = C2 लागतें
(2) न्यूनतम समर्थन मूल्य > C2 लागतें
(3) न्यूनतम समर्थन मूल्य <C2 लागतें
(4) न्यूनतम समर्थन मूल्य C2 लागत से स्वतन्त्र होता है। **[2]**

व्याख्या:-

- न्यूनतम समर्थन मूल्य को निर्धारित करते समय कृषि लागत एवं मूल्य आयोग (CACP) लागत C_2 की अवधारणा को स्वीकार करता है, जिसमें न्यूनतम समर्थन मूल्य > C2 लागतें सम्मिलित हैं।

38. भारत के व्यापार संतुलन के बारे में निम्न में से कौन–सा कथन सही है?

(1) भारत का व्यापार संतुलन 1949-50 से 2015-16 तक की संपूर्ण अवधि के लिए ऋणात्मक था।
(2) भारत का व्यापार संतुलन 1949-50 से 2015-16 तक की संपूर्ण अवधि के लिए धनात्मक था।
(3) भारत का व्यापार संतुलन 1972-73 तथा 1976-77 के दो वर्षों को छोड़कर (जब वह धनात्मक था) 1949- 50 से 2015-16 तक की संपूर्ण अवधि के लिए ऋणात्मक था।
(4) भारत का व्यापार संतुलन 1972-73 तथा 1976-77 के दो वर्षों को छोड़कर (जब वह ऋणात्मक था) 1949- 50 से 2015-16 तक की संपूर्ण अवधि के लिए धनात्मक था। **[3]**

व्याख्या:-

- व्यापार संतुलन का अर्थ एक विशिष्ट समय अवधि के लिए आयात और एक निश्चित देश के आर्थिक उत्पादन के निर्यात के मूल्य के बीच स्थापित विषमता में निर्यात अधिशेष हो। भारत का व्यापार संतुलन 1972-73 तथा 1976-77 के दो वर्षों को छोड़कर (जब वह धनात्मक था) 1949- 50 से 2015-16 तक की संपूर्ण अवधि के लिए ऋणात्मक था।

39. पहल (PAHAL) योजना के संदर्भ में सही उत्तर का चुनाव करें–

(1) यह जाम (JAM) का प्रथम प्रकार है।
(2) यह डीबीटी (DBT) के माध्यम से एलपीजी (LPG) अनुदान को हस्तान्तरण करती है।
(3) यह उपभोक्ताओं के बैंक खातों में एलपीजी अनुदान का सीधा हस्तान्तरण करती है।
(4) ये सभी सत्य हैं। **[4]**

व्याख्या:-

- पहल योजना को 1 जून, 2013 से शुरू किया गया था। 1 जनवरी, 2015 से इसे सम्पूर्ण देश में लागू किया गया।
- नोडल एजेंसी- भारत पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय
- यह उपभोक्ताओं के बैंक खातों में एलपीजी अनुदान का सीधा हस्तान्तरण करती है।
- यह डीबीटी (DBT) के माध्यम से एलपीजी (LPG) अनुदान को हस्तान्तरण करती है।

40. 1951-52 से 2015-16 की अवधि के किस वर्ष में स्थिर कीमतों पर भारत की प्रति व्यक्ति आय की वृद्धि दर सर्वाधिक रही?

(1) 2015-16 (2) 2010-11
(3) 2007-08 (4) 2014-15 **[3]**

व्याख्या:–

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

- 1951-52 से 2015 - 16 की अवधि के दौरान 2007-08 में स्थिर कीमतों पर भारत की प्रति व्यक्ति आय की वृद्धि दर सर्वाधिक थी।

2015

41. भारत में हाल ही में राष्ट्रीय आय के माप में क्या बड़ा परिवर्तन किया गया है?

(1) आधार वर्ष 2004-05 से बदलकर 2011-12 किया गया है।
(2) गणना साधन – लागत से बदलकर बाजार कीमतों पर की गयी है।
(3) गणना चालू कीमतों से बदलकर स्थिर कीमतों पर की गई है।
(4) आधार वर्ष व गणना विधि दोनों में बदलाव किया गया है। **[4]**

व्याख्या:–

- भारत में राष्ट्रीय आय के माप में आधार वर्ष 2004-05 से 2011-12 कर दिया है। वर्तमान में गणना बाजार लागत पर की जाती है।

42. भारत में निकट भविष्य में 8 प्रतिशत या अधिक आर्थिक वृद्धि दर प्राप्त करने में सर्वाधिक सहयोग किस तत्त्व (कारक) से मिल सकता है-

(1) देश में श्रम शक्ति का तीव्र गति से कौशल विकास किया जाये।
(2) सभी अवरुद्ध या रुके हुए उत्पादक प्रोजेक्टों का क्रियान्वयन किया जाये।
(3) व्यवसाय – व्यापार करने को आसान बनाने में तेज रफ्तार से वृद्धि की जाये।
(4) वस्तु व सेवा कर को बिना विलम्ब के 1 अप्रैल, 2016 से लागू किया जाये। **[4]**

व्याख्या:–

- भारत में निकट भविष्य में 8 प्रतिशत या अधिक आर्थिक वृद्धि दर प्राप्त करने में सर्वाधिक सहयोग वस्तु व सेवा कर से मिल सकता है।

43. सुमेलित कीजिए–

सूची-I विशेषज्ञता		**सूची-II नाम**	
A.	**कराधान**	**I.**	**एम. गोविन्दा राव**
B.	**कृषि**	**II.**	**सी. रंगराजन**
C.	**मौद्रिक नीति**	**III.**	**अरविंद पनगढ़िया**
D.	**भारतीय अर्थव्यवस्था, नियोजन व राज्य स्तरीय सुधार**	**IV.**	**अशोक गुलाटी**
E.	**राजकोषीय**	**V.**	**पार्थसारथी सोम**

कूट :

	A	**B**	**C**	**D**	**E**
(1)	II	IV	I	III	V
(2)	I	IV	III	II	V
(3)	V	IV	II	III	I
(4)	V	IV	III	II	I

[3]

व्याख्या:–

- कराधान – पार्थसारथी सोम
- कृषि – अशोक गुलाटी
- मौद्रिक नीति – सी. रंगराजन
- भारतीय अर्थव्यवस्था, नियोजन व राज्य स्तरीय सुधार – अरविंद पनगढ़िया
- राजकोषीय – एम. गोविन्दा राव

44. निम्नलिखित फसल समूहों में से कौन-सा समूह ऐसा है जिसमें कोई फसल / फसलें जैव-ईंधन के रूप में प्रयुक्त नहीं की जा सकती-

(1) जेट्रोफा, गन्ना, पाम
(2) मसूर, चुकंदर, गेहूँ
(3) सोयाबीन, मक्का, रेपसीड
(4) गन्ना, मक्का, सरसों **[2]**

व्याख्या:-

- मसूर, चुकन्दर व गेहूँ का प्रयोग जैव ईंधन के रूप में नहीं होता है।

45. डॉ. सी. रंगराजन विशेषज्ञ समूह द्वारा अपनायी गयी विधि के अनुसार निम्नलिखित में से किस राज्य में 2011-12 में जनसंख्या के संबंध में निर्धनता का अनुपात सही नहीं रहा–

(1) छत्तीसगढ़ 37.9 प्रतिशत
(2) गोवा 6.3 प्रतिशत
(3) राजस्थान 21.7 प्रतिशत
(4) समस्त भारत 29.5 प्रतिशत **[1]**

व्याख्या:–

- डॉ. सी. रंगराजन की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2011-12 में 30.9 प्रतिशत ग्रामीण तथा 26.4 प्रतिशत शहरी आबादी गरीबी रेखा के नीचे रहती है, जबकि राष्ट्रीय औसत 29.5 प्रतिशत है।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213